BHIMAPPA SOMAPPA NAVI
Digitally signed by BHIMAPPA SOMAPPA NAVI
DN: c=IN, o=KARNATAKA STATE AKKAMAHADEVI WOMENS UNIVERSITY VIJAYAPURA, ou=NA, 2.5.4.20=db7789db39afe1f3d852b09ea3497499428f50a9eb82c5e3eb9b8da79cde486e, postalCode=586108, st=KARNATAKA, serialNumber=a2019af0af54b531e19e9c7b6fbd664dec1569beb802de3505e28213b85e6333, cn=BHIMAPPA SOMAPPA NAVI
Date: 2023.08.07 15:59:33 +05'30'

New Course Added

4. रामचंद्र शुक्ल (सं.)जायसी ग्रंथावली की भुमिका
नागरी प्रचारणी सभा, काशी
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी सूर साहित्य
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. मैनेजर पाण्डेयभक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. रामचंद्र शुक्ल गोस्वामी तुलसीदास
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. विजेन्द्र स्नातककबीर
राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. बच्चन सिंहबिहारी का नवमुल्यांकन
10. मनोहरलाल गौड़स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद
11. सावित्री सिंह जायसी
12. रामकुमार वर्मा बिहारी सतसई
13. रामकुमार मिश्र संत कबीर
14. शिवप्रसाद सिंह विद्यापति
15. लाला भगवान दीन सूर पंचरत्न
16. परसुराम चतुर्वेदी उत्तर भारत की संत परंपरा
17. रामधर त्रिपाठी घनानंद काव्य कौस्तुब
18. विश्वप्रसादनाथ मिश्र बिहारी
19. सुखविंदर कौल पालकबीर का लोक तात्विक चिंतन
20. धर्मविर कबीर के आलोचक

SC. 1. 1 प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद (सिध्दांत एवं प्रयोग)

Course outcome:

To understand the various forms of Functional Hindi.To study the meaning and area of application of Functional Hindi. To understand the uses of Hindi in various field. To study the official language

Acts of 1963 and 1976. To know about different types of official letters and students able to know how to write letters. To know about technical terms of Hindi language. To practice of annotation writing, report writing, condensation writing. TO acquire good knowledge of translation. To learn about translation from English to Hindi they can become translator, interpreter etc. Students can easily be employed in various sectors after successfully completing this paper. To learn communicative skill.

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30
End Semester Question paper and Marks allotment – 70

3. In total five questions
4. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य:

1. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप क्षत्र और प्रयुक्ति का परिचय कराना।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र अनुवाद की मूलभूत विशेषताओं और उसके महत्व को जान सकेंगे।
3. अनुवाद के व्यावहारिक अभ्यास के द्वारा छात्र बाहतर अनुवाद करने में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई – 1

1. प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति की संकल्पना
2. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ परिभाषाएँ और स्वरूप
3. प्रयोजनमूलक हिंदी का क्षेत्र
4. हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियाँ।

इकाई –2

1. अनुवाद की परंपरा, क्षेत्र, उपयोगिता एवं महत्व
2. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, सिध्दांत और प्रक्रिया
3. लिप्यांतरण, लप्यांकन
4. अनुवाद के प्रकार।

इकाई –3

1. अनुवाद के प्रकार।
2. अनुवाद के गुण एवं दायित्व
3. अनुवाद के उपकरण, कोशों के प्रकार एवं प्रयोग की विधि।

इकाई – 4

1. अनुवाद और संस्कृति
2. अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान

3. अनुवाद समीक्षा।

इकाई – 5

अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष (इसके अंतर्गत छात्र को निर्धारित सामग्री का अनुवाद करना होगा।)

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. विनोद गोदरे प्रयोजनमूलक हिंदी
2. डॉ. आर. एस्. सर्राजु प्रयोजनमूलक हिंदी स्थिति, संदर्भ और प्रयुक्ति
3. रीतारानी पालिवाल अनुवाद की सामाजिक भूमिका
सचिन प्रकाशन, दिल्ली
4. कृष्णकुमार गोस्वामीअनुवाद विज्ञान की भूमिका
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. भोलानाथ तिवारीअनुवाद विज्ञान
किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
6. डॉ. सुरेश कुमार अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. रीतारानी पालिवाल अनुवाद प्रक्रिया और परीदृश्य
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. डॉ. गार्गी गुप्ता और अनुवाद का व्याकरण
डॉ. भोलानोथ तिवारी(सं) भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली
9. डॉ. नगेंद्र(सं) अनुवाद विज्ञान सिध्दांत एवं अनुप्रयोग
दिल्ली वि. वि. हि. मा. का. निदेशालय दिल्ली
10. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव और अनुवाद सिध्दांत एवं समस्याएँ
कृष्णकुसार गोस्वामी (सं) आलेख प्रकाशन, दिल्ली
11. भोलानाथ तिवारी और अनुवाद की घरिक समस्याएँ
ओमप्रकाश गाबा शब्दकार दिल्ली
12. गोपीनाथ अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. दिलीप सिंह अनुवाद की व्यापक संकल्पना
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. डॉ. सुरेश सिंहल, डॉ. पूरणचंद टंडन सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद
और हरिश कुमार सेठी भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली
15. अलोक कुमार रस्तोगी हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
16. ए. अच्युतन नाट्यानुवाद सिध्दांत और विवेचन
17. Catford C. J. Linguistic Theory of Translation

18. Eugine A. Nida — Towards A science of Translation
19. बी. एन्. तिवारी — कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ
20. कैलाशचंद्र भाटिया — कामकाजी हिंदी
21. T. Savoury — Art of Translation
22. Nida and Taper Leiden — The Theory of Translation
23. Nida A. Stanford — Language Theory of Translation

SC. 1. 2. कृष्णा सोबती

Course outcome:

Describing the dual nature of modern people in present era. Describing the nature of revolt of Krishna Sobati through her Prose. Understanding the importance of environmental protection through Krishna Sobatis 'writings. To give specific knowledge of modern era of Hindi literature. Understanding of major Novels and Short Stories will develop.

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30
End Semester Question paper and Marks allotment – 70

1. In total five questions
2. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य:

1. छात्रों को हिंदी की श्रेष्ठ लेखिका का परिचय कराना।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों कोलेखिका के साथ उनके साहित्य को समझने में आसान होगा।
3. शहरी और गाँव के जीवन को समझने में आसान होगा।

इकाई – 1

1. कृष्णा सोबती का जीवन परिचय।
2. समकालीन हिंदी लेखिकाओं में कृष्णा सोबती का स्थान।

इकाई –2

1. जिंदगीनामा।
2. सूरजमुखी अंधेरे के।

इकाई –3

1. समय सरगस।
2. ऐ लड़की।
3. दिलो दानिश।

इकाई – 4

1. दार से बिछुड़ी।
2. तीन पहाड़।
3. बादलों के घेरे।

इकाई – 5

1. यारों के यार।
2. मित्रो मरजानी।

सहायक ग्रंथ :

1. रमेश देशमुखआठवे दशक की हिंदी कहानी में जीवन मूल्य
2. मेहर दत्ता पाठिकरसाठोत्तरी हिंदी महिला लेखन में आधुनिक बोध
3. छायादेवी गोरवड़ेसाठोत्तर हिंदी उपन्यासों में परिवर्तित नारी जीवन मूल्य
4. बबनराव बोड़के बिसवी सदी के अंतिम दशक की कहानियों में नारी
5. इन्दु विरेंद्र साठोत्तरी हिंदी कहानी में नारी डॉ. सुरेश कुमार
6. गोपाल राय हिंदी उपन्यास का इतिहास
7. रामदरश मिश्र हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष
8. चंद्रकांत बांदिवड़ेकर हिंदी उपन्यास स्थिती और गती
9. नरेंद्र मोहनआधुनिक हिंदी उपन्यास
10. इंदु जैनसमकालीन महिला उपन्यासकार
11. प्रभा खेतानउपन्यास में स्त्री

OE. 1. 1. समकालीन हिंदी काव्य

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30
End Semester Question paper and Marks allotment – 70

1. In total five questions
2. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य:

1. छात्रों को अंतर्विद्यावर्ती अध्ययन में प्रवृत्त करना।
2. छात्रों को समकालीन हिंदी पद्य साहित्य की विभिन्न प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय कराना।

इकाई – 1

1. समकालीन हिंदी काव्य का सामान्य परिचय।
2. प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई –2

1. **रचनाएँ और कवि परिचय:**

6. तारकानाथ बालीभारतीय काव्यशास्त्र
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. राममूर्ति त्रिपाठीभारतीय काव्यशास्त्र
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. देवेंद्रनाथ शर्मापाश्चात्य काव्यशास्त्र
नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
9. निर्मला जैननयी समीक्षा के प्रतिमान
नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
10. गोविंद त्रिगुणायत शास्त्रीय समीक्षा के सिध्दांत
भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली

SC. 2.2.धूमिल

Course outcome:

Dhoomil is a famous contemporary poet in Hindi. The course shall help the students to understand the contribution of Dhoomil to Hindi literature.

इकोई : 05
क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30

End Semester Question paper and Marks allotment – 70

1. In total five questions
2. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य:

1. छात्रों को समकालीन कविता में धूमिल क्या स्थान था उससे अवगत कराना।
2. छात्रों को धूमिल के कविताओं के द्वारा आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं सास्कृतिक जीवन का परिचय कराना।

इकाई – 1

1. धूमिल का परिचय।
2. धूमिल के साहित्य का परिचय।

इकाई –2

1. **आधुनिक हिंदी कविता में धूमिल का स्थान।**
2. **1970 का राजनीतिक वातावरण।**
3. **धूमिल के काव्य में सामाजिक एवं सास्कृतिक वातावरण।**

इकाई –3

1. सांसद से सड़क तक।

इकाई – 4

1. कल सुनना मुझे।

इकाई – 5

1. सुदामा पाण्डेय के प्रजातंत्र।

सहायक ग्रंथ :

1. मंजुला उपाध्यायसमकालीन कविता और धूमिल
2. विश्वनाथ प्रसाद तिवारीसमकालीन कविता
3. गणेश तुलसीराम ओश्टेकरकठघरे के कवि
4. रामविलास शर्मामार्क्सवादी और प्रगतिशिल साहित्य
5. विश्वांभरनाथ उपाध्याय समकालीन कविता और मार्क्सवाद
6. नरेंद्र मोहनविरोध और साहित्य
7. नामवर सिंहकविता के नए प्रतिमान
8. जगदीश गुप्तनयी कविता स्वरूप और संवेदना
9. नरेंद्र सिंहसाठोत्तर हिंदी कविता
10. के. सी. भाटियासमकालीन कवि और काव्य

OE. 2.1. गद्य के विविध आयाम

इकोई : 05
क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30

End Semester Question paper and Marks allotment – 70

3. In total five questions
4. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य:

1. छात्रों को अंतर्विद्यावर्ति अध्ययन में प्रवृत्त करना।
2. छात्रों को समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रवृत्तियों, रचनाओं, रचनाकारों का परिचय कराना।

इकाई – 1

1. **ललित निबंध**–गपशप (नामवर सिंह)
2. **जीवनीपरक निबंध**– गुरूदेव (हरिभाऊ उपाध्याय)
3. **आत्मरचनात्मक निबंध** – आत्मकथा का अंश (भीष्म साहनी)

इकाई –2

1. **व्यंग्य** –मैं नरक से बोल रहा हूँ (हरिशंकर परसाई)
2. **रेखाचित्र** –भक्तिन (महादेवी वर्मा)
3. **कहानी** –सवा सेर गेहूँ (प्रेमचंद)

इकाई –3

1. **संस्मरण**– जीवन निर्माता अध्यापक (जगदीशचंद्र माथुर)
2. **डायरी का अंश**–प्रवास की डायरी :कुछ विशिष्ट पन्ने (हरिवंशराय बच्चन)

इकाई – 4

1. **रिपोर्ताज**–सूखे चेहरों का भूगोल (मणि मधुकर)
2. **यात्रावृत्त** – देवताओं के अंचल में (अज्ञेय)

इकाई – 5

1. **रेडियो रूपक** –टूटते परिवेश (विष्णु प्रभाकर)
2. **एकांकी** –सती (जी. जे. हरिजीत)

सहायक ग्रंथ :

SC. 3. 1. हिंदी मीडिया और पत्रकारिता

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Course outcome:

Students gain knowledge of Hindi news, media, report writing and journalism. Through this practical and skill based course, the students will become employable in the field of journalism.

10. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य :

1. छात्रो को पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना |
2. पत्रकारिता और मीडिया लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना |

इकाई - 1

1. पत्रकारिता का उदय, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, 21 वी सदी में पत्रकारिता, हिंदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं, हिंदी के प्रमुख पत्रकार, समाचार की अवधारणा, समाचार संकलन, समाचार पत्र का संगठन, खोजी पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता संपादक, सहायक संपादक, संवाददाता, विशेष संपादक, पत्रकारिता के प्रकार, विज्ञापन और समाचार, संवाददाता सम्मेलन |
2. पत्रकारिता से संबंधी व्यवस्थाएँ |

इकाई - 2

1. जनसंचार की अवधारणा और प्रकार- प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र एवं पत्रिका), इलेक्ट्रानिक मीडिया (रेडियो, टीवी, इंटरनेट, फिल्म निर्माण, ब्लांगिग, सोसलं नेटवर्क), प्रमुख समाचार पत्र, रेडियो व टीवी चैनल, फिल्मों के विशेष संदर्भ में |
2. पत्रकारिता के प्रकार- साहित्यिक पत्रकारिता, सांस्कृतिक पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता |

इकाई - 3

1. मीडिया लेखन के मूलभूत सिद्धांत, संचार के विविध मध्यामों के लिए लेखन के सिद्धांत, प्रकार एवं विषयवस्तु |
2. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन - समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार, विविध विषयों पार विशिष्ट लेखन, विज्ञापन लेखन |

इकाई - 4

1. रेडियो के लिए लेखन - पटकथा (कार्यक्रम हेतु), समाचार, रिपोर्टिंग फीचर, परिचर्चा, संवाद लेखन, विज्ञापन, नाटक (रूपक) विविध विषयों विशिष्ट लेखन, संपादन एवं प्रोडक्शन |
2. टेलीविजन के लिए लेखन- पटकथा लेखन, दृश्यीकरण, दृश्यी लेख की विशिष्टताएँ, धारावाहिक, वृत्ति चित्र, विज्ञापन लेखन, साक्षात्कार |

इकाई - 5

1. सिनेमा के लिए लेखन - फीचर फिल्म की पटकथा, निर्माण के विविध चरण, डॉक्युमेंटरी की पटकथा |

HC. 4. 1. हिंदी सिनेमा और साहित्य

इकाई : 05
क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100

Course outcome:

BothCinema and literature express various aspects of human life. Most of the cinemas are based on literary works. Through this course, the students shall be able to understand the relationship between these two fields. They will also understand the concepts such as script writing, photography and other technical knowledge about films and can take up a career this field in future.

उद्देश्य :

1. छात्रों को अंतर्विद्यावर्ति अध्ययन में प्रवृत्त करना।
2. छात्रों को हिन्दी सिनेमा के इतिहास से परिचित कराते हुए साहित्य और समाज के साथ हिन्दी सिनेमा के अंतसंबंध से अवगत कराना ।

इकाई :१

सिनेमा का इतिहास :

1. मुक फिल्मों का इतिहास।
2. हिन्दी और कन्नड सिनेमा का इतिहास 1990 तक।
3. हिन्दी और कन्नड सिनेमा का इतिहास 1990 से अब तक।

इकाई :2

साहित्य पर आधारित कुछ फिल्मे :

1. हिन्दी साहित्य पर आधारित हिन्दी फिल्में।
2. क्षेत्रीय साहित्य पर आधारित हिन्दी फिल्में।
3. विदेशी साहित्य पर आधारित हिन्दी फिल्में।

इकाई :3

वीशव सिनेमा , प्रमुख चरित्र और उनकी देन , सेरजी इसेटीन, चार्ली चापलीन , बुरुगमैंन , थ्रयुन्सिस थेरपी , विटटोरिया डोसेसा , अकीरा कृसोवा ।

इकाई :4

बंगाली सिनेमा, हिन्दी सिनेमा, कन्नड सिनेमा , भारतीय स्नंस्कृति और सिनेमा , प्रमुख निर्देश – सत्यजित रॉय , तपन सिन्हा, बारगुरु रामचंद्र, अडुरु गोपालकृष्णन, बीमाक रॉय, शांताराम, गुरुदत्त, दादसहेब फालके।

इकाई :5

पठकथा लेखक ,फोटोग्राफी , शूटिंग के तरीके , डबिंग और संपादक , सिनेमा और मानव मूल्य ,सिनेमा और संप्रेषन ,समाज के लिए सिनेमा की देन और महत्व।

सहायक ग्रंथ :

1) अनवर जमाल - हालीवुड बालीवुड
2) विनोद भारद्वाज - सिनेमा कल आज कल
3) बच्चन श्रीवासत्व - भारतीय फिल्मों की कहानी
4) शंभुनाथ - हिन्दी सिनेमा
5) सुरेद्रनाथ तिवारी - भारतीय नया सिनेमा
6) मनहोर श्याम जोशी - पटकथा लेखन के तत्व
7) अनुपमा ओझा - भारतीय सिने सिधान्त

SC.4.1. हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखन

: 05

: 04

क : 100

e outcome:

This course focuses on women empowerment by introducing women writers to nts. Through the study of women's writings in Hindi the students will be able to stand various perspectives of women's lives, women's liberation movement, changing of women in the modern society and other aspects that relate to gender equality.

देश्य :

1. छात्रो को हिन्दी साहित्य में स्त्री – लेखन की परंपरा और योगदान की जानकारी देना |
2. स्त्री – लेखन के केन्द्रीय मुद्दो केआर प्रति छात्रों में जागरूकता और आलोचना दृष्टि का विकास कराना |

ाई :1

1. स्त्री विमर्श और नारीवाद |
2. स्त्री मुक्ति आंदोलन का इतिहास |
3. भारतीय समाज में स्त्री की बदलती स्थिति |
4. स्त्री प्रष्ण और स्त्री संबंध कानून प्रावधान |

ाई :2

हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखन की परंपरा और योगदान

1. हिन्दी क काव्य और स्त्री लेखन
2. हिन्दी का उपन्यास साहित्य और स्त्री लेखन
3. हिन्दी का कहानी साहित्य और स्त्री लेखन
4. हिन्दी का आत्मकथा साहित्य और स्त्री लेखन
5. हिन्दी का कथेतर साहित्य और स्त्री लेखन
6. हिन्दी का नाटक साहित्य और रंगमंच स्त्री लेखन

ाई :3

1. मीराबाई - कुछ चुनी हुई कविताएं
2. कात्यायानि - वीह रचती है जीवन और
3. आनामिका - तलाश
4. निर्मला पुतुल - उतनी दूर एमटी ब्याहना बाबा
5. सविता सिंह - मेरी तरह एक तारा

   नाटक
6. कुसुम कुमार - सुनो शेफाली

ाई :4

उपन्यास – दौड़ (ममता कालिया)

कहानी –

1. मन्नू भंडारी - यही सच है
2. चित्रा मुदगल - जगदंबा बाबू गाँव आ रहे है
3. मैत्रेय पुष्पा - चिन्हार
4. कृष्ण सोबती - दादी आम्मा

5. जया जदवानी - मुझे ही होना है बार बार
6. मृदुला गर्ग - शहर के नाम

इकाई :5

आत्मकथा - अन्या से अनन्या - प्रभा खेतन
निबंध - शृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा

सहयाक ग्रंथ :

1. प्रभा खेतान - उपनिवेश मे पत्नी
2. राजेन्द्र यादव - पितृसत्ता के नुए रूप
3. रेखा कस्तवार - स्त्री चिंतन की चूनेतियाँ
4. क्षमा शर्मा - स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य
5. राधाकुमार - स्त्री संघर्ष का इतिहास
6. के एस मालती - स्त्री विमर्श : भारतीय परीप्रेक्ष्य
7. रमणिका गुप्ता - स्त्री विमर्श
8. डॉ. श्रीमती राजू बागलकोट - मृदुल गर्ग के कथा साहित्य का विवेचन

SC.4.2. साईबर हिन्दी

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

Course outcome:

Technology is the need of the hour. Computer technology is also used in literature and languages today. This course is intended to teach the students how to use computer based technology in the context of Hindi language and literature. The students, after completing this course, will be able to learn Hindi typing, browsing and creating Hindi material online, mailing, etc in Hindi language.

उद्दश्य :

1. वर्तमान युग में अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के लिए चिहीन्त किया गया है | इसलिए कंप्युटर साक्षारता वर्तमान पीढ़ी के लिए आवश्यक है | अब अध्यादेश भी शैक्षणिक मैं , कंप्युटर कक्षा कक्ष कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है | कंप्युटर आधारित शिक्षण सीखने लोकप्रिय बन गया है और हिन्दी भाषा और साहित्य के छत्रों को कंप्युटर आवेदन की बुनयादी बातों को मिलना चाहिए | वेयबसाईटों, ब्लाँगो , ई साहित्य , ई-थीसिस , ई-पत्रिकाओ आदि शैक्षणिक गतिविधियो करने में बहुत उपयोग होते है |
2. हिन्दी भाषा और साहित्य के छात्रों को वर्तमान दुनिया में प्रतिस्पर्धा करने के लिए वेब आधारित जानकारी का उपयोग करना चाहिए |

इकाई: 1

कंप्युटर – एक सामान्य परिचय , सॉफ्टवेयर , हार्डवेयर , इनपुट-बाहर ,डिवाइस , कंप्युटर सॉफ्टवेयर , पेजमेकर शब्द फाईल सृजन , पीडीएफ फाइलो |

इकाई :2

पावर प्वाइंट, इंटरनेट, ब्राउजिंग, ईमेल, ब्लाग, वेबसाइट

इकाई -3

हिन्दी टाइपिंग सॉफ्टवेयर, आईएसएम, मैं छलांग, यूनिकोड फॉन्ट, की-बोर्ड, स्क्रिप्ट, ध्वन्यात्मक की-बोर्ड, हिन्दी फॉन्ट, डीटीपी वर्क्स, पृष्ठ, पुस्तक प्रकाशन की सेटिंग |

इकाई -4

ई-पुस्तकों और पत्रिकाओं, ई- लाइब्रेरी, ई-थीसिस, ई-प्रकाशन, गूगल अनुवाद, अनुवाद सॉफ्टवेयर, ई-साहित्य, चेहरा किताब और साहित्य, विकिपीडिया, सरकारी वेबसाइट, ई-लर्निंग साहित्यिक फेसबुक, ई-स्रोतों से प्रशंसा पत्र, आधिकारिक भाषा और कंप्यूटरीकरण, शिक्षण और कंप्यूटर |

इकाई -5

ई-टाइप प्रैक्टिकल कक्षाएं |

सहायक ग्रंथ –

1- भास्कर जुयाल – इन्टरनेट की दुनिया में हिन्दी का महत्व
2- रविशंकर श्रीवास्तव – हिन्दी के बढ़ते कदम
3- विजय प्रभाकर कांबले – मशीनी अनुवाद
4- राम बंसल - सूचना प्रद्योगिकी और भारतीय भाषाएँ
5- अभिव्यक्ति - कंप्यूटर सामान्य ज्ञान एवं उपयोगकर्ता गाइड
6- विजयलक्ष्मी मल्होत्रा – कंप्यूटर का भाषिक अनुप्रयोग
7- हरिमोहन – कंप्यूटर और हिन्दी

OE. 3. 1. आधुनिक हिन्दी साहित्य

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30
End Semester Question paper and Marks allotment – 70

13. In total five questions
14. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को अंतर्विद्यावर्ति अध्ययन में प्रवृत्त करना।
2. छात्रों को समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रवृत्तियों, रचनाओं, रचनाकारों का परिचय कराना।

इकाई - १

१) आधुनिकता की अवधारणा एवं पृष्टभूमी |

२) आधुनिकता, नवजागरण की वैचारीकी |

३) आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमी एवं विकास |

इकाई - २

आधुनिक कविताए

१) भारतेदु युग- मैथीलीशरण गुप्त - यशोधरा

२) निराली - तोडती पतथर

३) महादेवी वर्मा - मै नीर भरी दुख की बदली

४) नागार्जुन - अकाल ओर उसके बाद

५) निर्मला पुतुल - आओ मिलकर बचाये

इकाई - ३

आधुनिक कहानिया

१) प्रेमचंद - ईदगाह

२) अमरकांत - डीप्ठी कलेक्टरी

३) कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया

४) उषाप्रियंवदा - वापसी

५) ओमप्रकाश वाल्मिकी - सलाम

काई - ४

आधुनिक नाटक

१) शर्वेश्वर द्याल सक्सेना - बकरी

इकाई - ५

अन्य गाद्य विधाए

१) निबंध -

हरिशंकर पारसाई - कुत्ते की पुंछ

२) संस्मरण -

रामवृक्ष बेनिपुरी - मिट्ठी की मुरते

३) यात्रावृतांत -

निर्मलवर्मा - चीडों पर चांदनी